1. **नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से दीजिए।**

व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है। उसे सत्य से प्रेम करना चाहिए। अकेला यही गुण उसे अनेक सांसारिक झंझटों से बचाने में सफल हो सकेगा और उसे एक चतुर व्यापारी बना सकेगा, क्योंकि जो आदमी सच्चा होता है वह अपने काम-काज और व्यवहार में सादगी से काम लेता है। फल यह होता है कि उससे गलती कम होती है और नुकसान उठाने के अवसर बहुत कम आते हैं। जो लोग सत्य से प्रेम करते हैं उनको अपने रोज़ाना के काम-काज और व्यवहार में उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे का ध्यान अवश्य बना रहता है।

व्यापारी को आशावादी और शांत स्वभाव का होना चाहिए। उसे न निराश होने की आवश्यकता है और न क्रोध करने की। यदि आज थोड़ा नुकसान हुआ है तो कल फ़ायदा भी ज़रूर होगा, यह सोचकर उसे घबराना नहीं चाहिए। सेवा की पतवार के सहारे अपने व्यापार अथवा व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भँवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है। हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

व्यापार ने हमारे सुख-साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है। हमारे विशाल भवन, गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, स्वच्छ दुग्ध, फेनोज्ज्वल कटे-छटे वस्त्र, विद्युत-प्रकाश, रेडियो, तार, टेलिविज़न, रेल और मोटरें सब हमारे व्यापार पर ही आश्रित हैं।

व्यापारी को सत्यवादी क्यों होना चाहिए?

(1) वाणिज्य और व्यापार की प्रगति के लिए

(2) समाज में कुछ हासिल करने के लिए

(3) खूब धन कमाने के लिए

(4) सांसारिक झंझटों से बचने के लिए

2. **नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से दीजिए।**

व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है। उसे सत्य से प्रेम करना चाहिए। अकेला यही गुण उसे अनेक सांसारिक झंझटों से बचाने में सफल हो सकेगा और उसे एक चतुर व्यापारी बना सकेगा, क्योंकि जो आदमी सच्चा होता है वह अपने काम-काज और व्यवहार में सादगी से काम लेता है। फल यह होता है कि उससे गलती कम होती है और नुकसान उठाने के अवसर बहुत कम आते हैं। जो लोग सत्य से प्रेम करते हैं उनको अपने रोज़ाना के काम-काज और व्यवहार में उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे का ध्यान अवश्य बना रहता है।

व्यापारी को आशावादी और शांत स्वभाव का होना चाहिए। उसे न निराश होने की आवश्यकता है और न क्रोध करने की। यदि आज थोड़ा नुकसान हुआ है तो कल फ़ायदा भी ज़रूर होगा, यह सोचकर उसे घबराना नहीं चाहिए। सेवा की पतवार के सहारे अपने व्यापार अथवा व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भँवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है। हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

व्यापार ने हमारे सुख-साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है। हमारे विशाल भवन, गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, स्वच्छ दुग्ध, फेनोज्ज्वल कटे-छटे वस्त्र, विद्युत-प्रकाश, रेडियो, तार, टेलिविज़न, रेल और मोटरें सब हमारे व्यापार पर ही आश्रित हैं।

अपने कामकाज और व्यवहार में सादगी से काम कौन लेता है?

(1) जो आदमी सच्चा होता है।

(2) जो आदमी शातिर होता है।

(3) जो आदमी शरीफ होता है।

(4) जो आदमी शातिर और शरीफ दोनों होता है।

3. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से दीजिए।

व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है। उसे सत्य से प्रेम करना चाहिए। अकेला यही गुण उसे अनेक सांसारिक झंझटों से बचाने में सफल हो सकेगा और उसे एक चतुर व्यापारी बना सकेगा, क्योंकि जो आदमी सच्चा होता है वह अपने काम-काज और व्यवहार में सादगी से काम लेता है। फल यह होता है कि उससे गलती कम होती है और नुकसान उठाने के अवसर बहुत कम आते हैं। जो लोग सत्य से प्रेम करते हैं उनको अपने रोज़ाना के काम-काज और व्यवहार में उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे का ध्यान अवश्य बना रहता है।

व्यापारी को आशावादी और शांत स्वभाव का होना चाहिए। उसे न निराश होने की आवश्यकता है और न क्रोध करने की। यदि आज थोड़ा नुकसान हुआ है तो कल फ़ायदा भी ज़रूर होगा, यह सोचकर उसे घबराना नहीं चाहिए। सेवा की पतवार के सहारे अपने व्यापार अथवा व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भँवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है। हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

व्यापार ने हमारे सुख-साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है। हमारे विशाल भवन, गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, स्वच्छ दुग्ध, फेनोज्ज्वल कटे-छटे वस्त्र, विद्युत-प्रकाश, रेडियो, तार, टेलिविज़न, रेल और मोटरें सब हमारे व्यापार पर ही आश्रित हैं।

जो लोग सत्य से प्रेम नहीं करते हैं वे क्या करते हैं?

(1) अच्छे बुरे का ध्यान रखते हैं।

(2) अपने रोजाना के काम-काज में उचित-अनुचित का ध्यान रखते हैं।

(3) उचित-अनुचित का ध्यान नहीं रखते हैं।

(4) व्यवहार में भी उचित अनुचित का ध्यान रखते हैं।

4. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से दीजिए।

व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है। उसे सत्य से प्रेम करना चाहिए। अकेला यही गुण उसे अनेक सांसारिक झंझटों से बचाने में सफल हो सकेगा और उसे एक चतुर व्यापारी बना सकेगा, क्योंकि जो आदमी सच्चा होता है वह अपने काम-काज और व्यवहार में सादगी से काम लेता है। फल यह होता है कि उससे गलती कम होती है और नुकसान उठाने के अवसर बहुत कम आते हैं। जो लोग सत्य से प्रेम करते हैं उनको अपने रोज़ाना के काम-काज और व्यवहार में उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे का ध्यान अवश्य बना रहता है।

व्यापारी को आशावादी और शांत स्वभाव का होना चाहिए। उसे न निराश होने की आवश्यकता है और न क्रोध करने की। यदि आज थोड़ा नुकसान हुआ है तो कल फ़ायदा भी ज़रूर होगा, यह सोचकर उसे घबराना नहीं चाहिए। सेवा की पतवार के सहारे अपने व्यापार अथवा व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भँवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है। हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

व्यापार ने हमारे सुख-साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है। हमारे विशाल भवन, गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, स्वच्छ दुग्ध, फेनोज्ज्वल कटे-छटे वस्त्र, विद्युत-प्रकाश, रेडियो, तार, टेलिविज़न, रेल और मोटरें सब हमारे व्यापार पर ही आश्रित हैं।

व्यापारी का व्यवहार कैसा होना चाहिए?

(1) केवल आशावादी

(2) केवल शांत स्वभाव वाला

(3) निराशावादी

(4) आशावादी और शांत स्वभाव दोनों

5. **नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न के उत्तर विकल्पों में से दीजिए।**

व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है। उसे सत्य से प्रेम करना चाहिए। अकेला यही गुण उसे अनेक सांसारिक झंझटों से बचाने में सफल हो सकेगा और उसे एक चतुर व्यापारी बना सकेगा, क्योंकि जो आदमी सच्चा होता है वह अपने काम-काज और व्यवहार में सादगी से काम लेता है। फल यह होता है कि उससे गलती कम होती है और नुकसान उठाने के अवसर बहुत कम आते हैं। जो लोग सत्य से प्रेम करते हैं उनको अपने रोज़ाना के काम-काज और व्यवहार में उचित-अनुचित और अच्छे-बुरे का ध्यान अवश्य बना रहता है।

व्यापारी को आशावादी और शांत स्वभाव का होना चाहिए। उसे न निराश होने की आवश्यकता है और न क्रोध करने की। यदि आज थोड़ा नुकसान हुआ है तो कल फ़ायदा भी ज़रूर होगा, यह सोचकर उसे घबराना नहीं चाहिए। सेवा की पतवार के सहारे अपने व्यापार अथवा व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भँवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है। हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

व्यापार ने हमारे सुख-साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है। हमारे विशाल भवन, गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, स्वच्छ दुग्ध, फेनोज्वल कटे-छटे वस्त्र, विद्युत-प्रकाश, रेडियो, तार, टेलिविज़न, रेल और मोटरें सब हमारे व्यापार पर ही आश्रित हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) हारकर हाथ-पैर छोड़ देने से यश नहीं मिलता।

(2) व्यवसाय की नाव को उत्साह सहित भंवर से निकाल ले जाने में बुद्धिमानी है।

(3) यदि आज नुकसान हुआ है तो कल फायदा होना ज़रूरी नहीं।

(4) व्यवसाय ने सुख साधनों को बढ़ाकर हमारे जीवन का स्तर ऊँचा किया है।

6. हिन्दी साहित्य के आदिकाल को 'चारण काल' निम्नलिखित में से किस इतिहासकार ने कहाँ है?

(1) शिवसिंह सेंगर

(2) जार्ज ग्रियर्सन

(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(4) राहुल सांकृत्यायन

7. ''मोटे हिसाब से वीरगाथा काल महाराज हम्मीर के समय तक ही समझना चाहिए। उसके उपरांत मुसलमानों का साम्राज्य भारत में स्थिर हो गया और हिन्दू राजाओं को न तो आपस में लड़ने का उतना उत्साह रहा न मुसलमानों से।'' प्रस्तुत कथन निम्नलिखित में से किस आलोचक का है?

(1) जार्ज ग्रियर्सन

(2) गार्सा द तासी

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) हजारी प्रसाद द्विवेदी

8. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म संगत नहीं है?

(1) जैनाचार्य मेरुतुंग- प्रबंध चिंतामणि

(2) देवसेन - श्रावकाचार

(3) हेमचंद्र - कुमारपाल प्रतिबोध

(4) विद्यापति - कीर्तिपताका

9. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म असंगत है?

(1) जयचंद प्रकाश – भट्टकेदार

(2) रणमल्ल छंद – श्रीधर

(3) प्राकृत पिंगलम – जगनिक

(4) आदिपुराण – पुष्पदंत

10. निम्नलिखित में से कौन-सा कवि सगुण भक्ति धारा का नहीं है?

(1) ध्रुवदास

(2) सुंदरदास

(3) रसखान

(4) स्वामी हरिदास

11. रैदास या रविदास निम्नलिखित में से किसके शिष्य थे?

(1) पीपा

(2) उदयभान

(3) रामानंद

(4) कबीर

12. ''जो नर दुख में दुख नहीं मानै।
सुख सनेह अरु भय नहीं जाके, लोभ मोह अभिमाना।''
– प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं?

(1) कबीर

(2) नामदेव

(3) रैदास

(4) गुरूनानक

13. 'उदासी सम्प्रदाय' के प्रवर्तक हैं :

(1) गुरूनानक

(2) श्रीचंद

(3) लक्ष्मीचंद

(4) दादूदयाल

14. निम्नलिखित में केशवदास की रचना नहीं है?

(1) हिततरंगिनी

(2) विज्ञानगीता

(3) रतनबावनी

(4) रामचंद्रिका

TELEGRAM - @TEACHINGEXAM FOR UPTET DSSSB KVS AND OTHER EXAM

15. निम्नलिखित में रामभक्तिधारा का कवि नहीं है?
(1) तुलसीदास
(2) स्वामी अग्रदास
(3) नाभादास
(4) नंददास

16. ''नंद जू मेरे मन आनंद भयो, हौं गोवर्धन तें आयो।
तुम्हरे पुत्र भयो, मैं सुनि कै अतिआतुर उठि धायो''
– प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता हैं :
(1) नंददास
(2) सूरदास
(3) रसखान
(4) क्षीतस्वामी

17. यद्यपि सुंदर सुघर पुनि, सगुनी दीपक देह।
तऊ प्रकाश करै तितो, भरिए जितो सनेह
–प्रस्तुत दोहे के रचयिता हैं :
(1) घनानंद
(2) मतिराम
(3) चिंतामणि
(4) बिहारी

18. निम्नलिखित में से कौन–सी रचना मतिराम की नहीं है?
(1) साहित्यसार
(2) रसरत्नावली
(3) रसराज
(4) छंदसार

19. निम्नलिखित में से कौन–सी रचना सेनापति की है?
(1) हिततरंगिणी
(2) कविकुलकल्पतरु
(3) कवित्वरत्नाकर
(4) भावविलास

TELEGRAM @TEACHINGEXAM FOR OTET BSSSB HTTS AND OTHER EXAM

20. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना घनानंद की नहीं है?

(1) सुजानसागर

(2) साहित्यसार

(3) विरहलीला

(4) रसकेलिवल्ली

21. ''कवियों ने कविता लिखने की एक प्रणाली ही बना ली। कि पहले दोहे में अलंकार या रस का लक्षण लिखना फिर उसके उदाहरण के रूप में कविता या सवैया लिखना। हिन्दी साहित्य में यह अनूठा दृश्य खड़ा हुआ।'' प्रस्तुत मत किस आलोचक का है?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(3) नगेन्द्र

(4) रामविलास शर्मा

22. ''संस्कृत साहित्य में कवि और आचार्य दो भिन्न श्रेणी के व्यक्ति रहे। हिन्दी साहित्य में यह भेद लुप्त-सा हो गया। इस एकीकरण का प्रभाव अच्छा न पड़ा। आचार्यत्व के लिए जिस सूक्ष्म विवेचन पर्यालोचन शक्ति की अपेक्षा होती है, उसका विकास नहीं हुआ।'' प्रस्तुत मत आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस कविता के संबंध में दिया है?

(1) वीरगाथा काव्य

(2) भक्तिकालीन कविता

(3) रीतिकालीन कविता

(4) आधुनिक काव्य

23. 'अष्टयाम' के रचयिता हैं :

(1) मतिराम

(2) चिंतामणि

(3) देव

(4) पद्माकर

24. निम्नलिखित में से 'प्लेग की चुड़ैल' किसकी लिखी कहानी है?

(1) किशोरीलाल गोस्वामी

(2) गिरिजादत्त वाजपेयी

(3) मास्टर भगवान दास, मिरजापुर

(4) देवकीनंदन खत्री

25. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म संगत है?

(1) रत्नावली – बालकृष्ण भट्ट

(2) दमयंती स्वयंवर – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(3) भारत सौभाग्य – बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन

(4) कुसुम कुमारी – किशोरीलाल गोस्वामी

26. निम्नलिखित में लल्लूलाल की रचना है :

(1) उदयभान चरित या रानी केतकी की कहानी

(2) प्रेमसागर

(3) नासिकेतोपाख्यान

(4) मुंतखबुत्तवारीख

27. आधुनिक युग के किस रचनाकार में पुनर्जागरण की सशक्त अभिव्यक्ति सर्वप्रथम मिलती है?

(1) राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद

(2) राजा लक्ष्मण सिंह

(3) भारेन्दु हरिश्चंद्र

(4) महावीर प्रसाद द्विवेदी

28. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जयशंकर प्रसाद की नहीं है?

(1) अशोक की चिंता

(2) शेर सिंह का आत्मसमर्पण

(3) पेशोला की प्रतिध्वनि

(4) श्रांत पथिक

29. 'आचरण की सभ्यता' निबंध के लेखक है :

(1) विद्यानिवास मिश्र

(2) निर्मलवर्मा

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) अध्यापक पूर्ण सिंह

30. ''हृदय ही तुम्हें दान कर दिया।

क्षुद्र था, उसने गर्व किया।।

तुम्हें पाया अगाध गंभीर।

कहाँ जल बिंदु, कहाँ निधि क्षीर।।''

उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद की किस रचना से हैं?

(1) आँसू

(2) झरना

(3) लहर

(4) कामायनी

31. 'तारसप्तक' के कवियों में सम्मिलित नहीं है :

(1) रामविलास शर्मा

(2) गजानन माधव मुक्तिबोध

(3) शमशेर बहादुर सिंह

(4) प्रभाकर माचवे

32. निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यासकार मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार की कोटि में नहीं आता?

(1) जैनेन्द्र

(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(3) इलाचंद्र जोशी

(4) अज्ञेय

33. 'देवीदीन खटिक' प्रेमचंद के किस उपन्यास का चरित्र है?

(1) रंगभूमि

(2) गोदान

(3) कर्मभूमि

(4) गबन

34. 'मैला आंचल' किस तरह का उपन्यास है?

(1) प्रगतिवादी

(2) आंचलिक

(3) स्वच्छंदतावादी

(4) मनोविश्लेषणवादी

35. 'शकुन' निम्नलिखित में से किस उपन्यास का चरित्र है?

(1) महाभोज

(2) आपका बंटी

(3) रुकोगी नहीं राधिका

(4) शेषयात्रा

36. 'सारंग' मैत्रेयी पुष्पा के किस उपन्यास का चरित्र है?

(1) चाक

(2) झूला नट

(3) अल्मा कबूतरी

(4) त्रिया हट

37. निम्नलिखित उपन्यास और उपन्यासकार का असंगत युग्म है :

(1) अंधेरे बंद कमरे – मोहन राकेश

(2) कुरू कुरू स्वाहा – मनोहरश्याम जोशी

(3) पहला गिरिमिटिया – गिरिराज किशोर

(4) अपने-अपने राम – रांगेय राघव

38. 'अपने-अपने अजनबी' उपन्यास के रचयिता हैं :

(1) मोहन राकेश

(2) अज्ञेय

(3) कमलेश्वर

(4) भीष्म साहनी

39. 'दुखमोचन' उपन्यास के लेखक हैं :

(1) फणीश्वर नाथ रेणु

(2) धर्मवीर भारती

(3) नागार्जुन

(4) अमरकांत

40. निम्नलिखित में से 'उसने कहा था' कहानी का पात्र है :

(1) घीसू

(2) अलोपीदीन

(3) वजीरा सिंह

(4) शेखर

41. निम्नलिखित में से किस रचनाकार का संबंध पूर्णिया से है?

(1) नागार्जुन

(2) फणीश्वर नाथ रेणु

(3) रामधारी सिंह दिनकर

(4) भिखारी दास

42. निम्नलिखित में से सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय की रचना नहीं है :

(1) नदी के द्विप

(2) शेखर एक जीवनी

(3) अरे यायावर रहेगा याद

(4) एक साहित्यिक की डायरी

43. निम्नलिखित में असंगत युग्म है :

(1) अकहानी – जगदीश चतुर्वेदी

(2) सचेतन कहानी – महीपसिंह

(3) सहज कहानी – अमृतराय

(4) नयी कहानी – अज्ञेय

44. 'समांतर कहानी' आंदोलन की शुरुआत निम्नलिखित में से किसने की?

(1) मोहन राकेश

(2) कमलेश्वर

(3) भीष्म साहनी

(4) राजेन्द्र यादव

45. निम्नलिखित में असंगत युग्म है :

(1) धरती अब भी घूम रही है – विष्णुप्रभाकर

(2) हड़ताल – भैरव प्रसाद गुप्त

(3) परदा – भीष्म साहनी

(4) दोपहर का भोजन – अमरकांत

46. 'अभिमन्यु की आत्महत्या' कहानी संग्रह के रचयिता हैं :

(1) मोहन राकेश

(2) ज्ञान रंजन

(3) काशीनाथ सिंह

(4) राजेन्द्र यादव

47. टीवी सेवा आकाशवाणी से अलग होकर 'दूरदर्शन नाम' से किस वर्ष शुरू हुई ?

(1) 1976

(2) 1975

(3) 1974

(4) 1973

48. राजभाषा अधिनियम किस वर्ष बनाए गए ?

(1) 1962

(2) 1963

(3) 1965

(4) 1967

49. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है ?

(1) हम संचार करते हुए अपने अनुभवों को ही एक दूसरे से बाँटते हैं।

(2) संचार सिर्फ दो व्यक्तियों तक ही सीमित परिघटना है।

(3) सूचनाओं, विचारों आदि को लिखित, मौखिक अथवा दृश्य श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है।

(4) संचार प्रक्रिया में सहायता करने वाले तरीके संचार माध्यम कहलाते हैं।

50. निम्नलिखित में से कौन–सा संचार का तत्व नहीं है ?

(1) स्रोत या संचारक

(2) संदेश

(3) माध्यम

(4) सीधा प्रसारण

51. निम्नलिखित में से कौन–सा जनसंचार माध्यमों का कार्य नहीं है ?

(1) सूचना देना

(2) शिक्षित करना

(3) मनोरंजन करना

(4) निर्णय देना

52. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है ?

(1) किसी लोकतांत्रिक समाज में सरकार और संस्थाओं के कामकाज पर निगरानी रखना जनसंचार माध्यमों के दायरे में नहीं आता है।

(2) जनसंचार लोकतंत्र में विभिन्न विचारों को अभिव्यक्ति का मंच उपलब्ध कराते हैं।

(3) जनसंचार माध्यम सूचनाओं और विचारों के द्वारा किसी देश और समाज का एजेंडा भी तय करते हैं।

(4) जनसंचार माध्यम मनोरंजन के भी प्रमुख साधन हैं।

53. 'यहाँ लॉकर सुविधा उपलब्ध है' निम्नलिखित में से किस प्रयुक्ति का उदाहरण है :

(1) वाणिज्य और व्यापार की प्रयुक्ति
(2) जनसंचार की प्रयुक्ति
(3) बैंकिग प्रयुक्ति
(4) कालार्यलयीन हिन्दी की प्रवृत्ति

54. निम्नलिखित में तत्सम शब्द नहीं है?

(1) ग्राम
(2) चंद्र
(3) क्षण
(4) सच

55. निम्नलिखित विलोम शब्द युग्मों में कौन-सा असंगत है?

(1) अनुराग - राग
(2) अंतरंग - बहिरंग
(3) अक्षम - सक्षम
(4) अस्त - उदय

56. निम्नलिखित में 'अश्व' का पर्यायवाची नहीं है :

(1) वाजि
(2) तुरंग
(3) हय
(4) घोड़ा

57. निम्नलिखित में तद्भव शब्द नहीं है :

(1) काम
(2) सत्य
(3) आग
(4) हाथ

58. निम्नलिखित में से किस शब्द में विसर्ग संधि नहीं है ?

(1) दुष्कर्म
(2) निराशा
(3) बहिर्मुख
(4) उच्चारण

59. निम्नलिखित में दंत्य व्यंजन नहीं है :

(1) थ

(2) द

(3) ट

(4) न

60. निम्नलिखित में से असंगत शब्द-युग्म की पहचान कीजिए :

(1) प्रगति – मराठी

(2) उपन्यास – बंगला

(3) पादरी – अंग्रेज़ी

(4) दूकान – फ़ारसी

61. निम्नलिखित में कौन-सी बोली राजस्थानी हिन्दी की नहीं है ?

(1) मेवाती

(2) मारवाड़ी

(3) बाँगरु

(4) हाड़ोती

62. 'गुलाब' निम्नलिखित में से किस भाषा का शब्द है ?

(1) संस्कृत

(2) हिन्दी

(3) अरबी

(4) फ़ारसी

63. निम्नलिखित में से असंगत युग्म है :

(1) यमगाथा – दूधनाथ सिंह

(2) कहै कबीर सुनो भाई साधो – नरेन्द्र मोहन

(3) इन्ना की आवाज – असगर वजाहत

(4) नेपत्थराग – मृणाल पांडेय

64. निम्नलिखित में से असंगत युग्म छांटिए :

(1) विक्रमादित्य – उदयशंकर भट्ट

(2) राज्यश्री – जयशंकर प्रसाद

(3) कौमुदी महोत्सव – लक्ष्मीनारायण मिश्र

(4) रंग दे बसंती चोला – भीष्म साहनी

65. निम्नलिखित निबंध-संग्रहों में से कौन-सा संग्रह विद्यानिवास मिश्र का नहीं है?

(1) छितवन की छाँह

(2) तुम चंदन हम पानी

(3) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

(4) वन तुलसी की गंध

66. निम्नलिखित में से असंगत-युग्म है :

(1) हिन्दी साहित्य की जनवादी परंपरा - प्रकाश चंद गुप्त

(2) प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा

(3) कामायनी एक पुनर्विचार - शमशेर बहादुर सिंह

(4) आलोचना के मान - शिवदान सिंह चौहान

67. निम्नलिखित में संगत-युग्म नहीं है :

(1) राहुल सांकृत्यायन - मेरी जीवन यात्रा

(2) श्याम सुंदर दास - मेरी आत्म कहानी

(3) वियोगी हरि - मेरा जीवन प्रवाह

(4) रामविलास शर्मा - मेरी जीवन धारा

68. निम्नलिखित में ऐतिहासिक नाटक नहीं है :

(1) अजातशत्रु

(2) स्कंदगुप्त

(3) चंद्रगुप्त

(4) सागर विजय

69. 'कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय वा खाय बौराए जग या पाए बौराय।।' उपर्युक्त में कौन-सा अलंकार है?

(1) उत्प्रेक्षा

(2) रूपक

(3) यमक

(4) श्लेष

70. निम्नलिखित समस्त पद और समास के युग्मों में असंगत है :

(1) राजकुमार - तत्पुरुष

(2) तिरंगा - द्विगु

(3) नीलकमल - बहुब्रीहि

(4) पनचक्की - कर्मधारय

71. निम्नलिखित समस्त पद और समास के युग्मों में असंगत है :

(1) प्रत्येक – द्विगु

(2) सुख-दुख – द्वन्द्व

(3) आजन्म – अव्ययीभाव

(4) पीतांबर – बहुब्रीहि

72. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द दीर्घ संधि का उदाहरण नहीं है?

(1) मतानुसार

(2) देवालय

(3) उन्मत्त

(4) रजनीश

73. निम्नलिखित में 'आकाश' का पर्यायवाची नहीं है :

(1) व्योम

(2) नभ

(3) अंबर

(4) घन

74. निम्नलिखित विलोम शब्द-युग्मों में कौन-सा असंगत है?

(1) ताप – शीत

(2) तीव्र – मंद

(3) देय – प्रदेय

(4) निर्बल – सबल

75. 'सुबरन को ढूंढत फिरत कवि, व्यभिचारी चोर' में अलंकार है :

(1) यमक

(2) श्लेष

(3) उत्प्रेक्षा

(4) रूपक

76. **प्रश्न के दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :**

स्थापना (A) : कविता मनुष्य के हृदय को स्वार्थ संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।

तर्क (R) : क्योंकि वहाँ जगत की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही
(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(3) **(A)** सही और **(R)** गलत
(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

77. **प्रश्न के दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :**

स्थापना (A) : मनुष्य अपनी सत्ता को लोक-सत्ता में लीन किए रहता है।

तर्क (R) : क्योंकि उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही
(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(3) **(A)** सही और **(R)** गलत
(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

78. **प्रश्न के दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :**

स्थापना (A) : जगत अनेक रूपात्मक है।

तर्क (R) : क्योंकि हमारा हृदय भी भावात्मक है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही
(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(3) **(A)** सही और **(R)** गलत
(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

79. **प्रश्न के दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :**

स्थापना (A) : काव्य में अर्थग्रहण मात्र से काम नहीं चलता, बिंबग्रहण अपेक्षित होता है।

तर्क (R) : बिंबग्रहण निर्दिष्ट, गोचर और मूर्त विषय का ही हो सकता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही
(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(3) **(A)** सही और **(R)** गलत
(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

80. **प्रश्न के दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :**

स्थापना (A) : साहित्यशास्त्र की रस-निरूपण पद्धति में आलंबनों के बीच बाह्य प्रकृति को स्थान ही नहीं मिला है।

तर्क (R) : रस निरूपण में बाह्य प्रकृति का योगदान जरूरी नहीं है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(3) **(A)** सही और **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही